प्रैस विज्ञप्ति

स्वस्थ एवं सुखी भारत विषय पर महासम्मेलन सम्पन्न

''ईश्वरीय ज्ञान एवं योग द्वारा स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुखी भारत का निर्माण ''– दादी जानकी

''राजयोग एवं आध्यात्मिकता से आयेगा शान्ति, सदभाव और भाईचारा ''– स्वामी चिदानन्द

''दूसरों को देने की भावना ही सुख की कुंजी है''– बी0के0शिवानी

नयी दिल्ली, 17 सितम्बरः प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आज स्थानीय इन्दिरा गाँधी स्टेडियम में संस्था के 80 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ''प्राचीन राजयोग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी भारत ' विषय पर एक विशाल सार्वजनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर अपने सन्देश में कहा कि योग स्वस्थ रहने का एक नायाब तरीका है एवं स्वस्थ रहने का निश्चित पासपोर्ट है। ब्रह्मा कुमारी संस्था पिछले सात दशको से अधिक समय से भारत एवं विश्व के लोगों में आध्यात्मिक ज्ञान एवं योग का प्रसार कर रही है। मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि संस्था द्वारा ''प्राचीन राजयोग द्वारा स्वस्थ एवं सुखी भारत ' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया है। मैं इस विशाल आयोजन हेतु हार्दिक बधाई देता हूँ और इसकी सफलता की कामना करता हूँ।

ब्रह्मा कुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी ने अपने आर्शिवचन में कहा कि अतीत की बातें और व्यर्थ चिंतन ही हमारी मानसिक शान्ति और आन्तरिक शक्तियों को नष्ट करता है। उन्होंने ईश्वरीय ज्ञान एवं योग के आधार से जीवन में सुख शान्ति, आन्तरिक शक्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्राप्त करने का आह्वाहन किया। उन्होंने राजयोग के सामूहिक अभ्यास द्वारा भारत को विश्व के लिए एक मार्ग दर्शक बनाने के लिए कहा।

विवेकानन्द योग संस्थान के अध्यक्ष योगगुरू डॉ0 एच.आर.नागेन्द्र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ का मतलब केवल शारीरीक स्वास्थ नहीं बल्कि मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य है। यह भौतिकता के ज्ञान भंडार से आगे जाकर प्राण, मन, बुद्धि, संस्कार, चेतनता, भगवान को वास्तविक रूप में जानकर मन पर नियंत्रण करने का नाम ही राजयोग है। उन्होंने कहा कि मधुमेय रोग नियंत्रण में ब्रहमाकुमारी संस्था द्वारा हमें सहयोग मिला है और कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम में भी सहयोग का हमने आह्वाहन किया है।

परमार्थ निकेतन आश्रम, हरिद्वार के स्थापक व आध्यात्मिक प्रमुख, स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सभा भारत निर्माण अर्थ आयोजित है और यह कार्य 80 वर्ष पूर्व ब्रह़माकुमारी संस्था के स्थापना के साथ शुरू हुआ। राजयोग एवं आध्यात्मिक ज्ञान से सबके जीवन में शान्ति, सदभाव और भाईचारा आता है।

उन्होंने कहा कि सभी मीडिया चैनलों को **'ब्रेकिंग न्यूज'** की जगह यहां की सच्ची शान्ति के कुम्भ की **'मेकिंग न्यूज'** बनानी चाहिए क्योंकि यह प्रधानमंत्री जी का **'मेक इन इंडिया'** सपना साकार करने का कार्य है। भारत महान इसलिए है, यहां की सांस्कृति और लोगों के संस्कार विश्व की तुलना ऊँच और पवित्र हैं।

सुप्रसिद्ध प्रेरणादायी वक्ता बी0के0शिवानी ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए पवितत्रता महत्वपूर्ण है तथा यह सुख और शान्ति की जननी है। यदि हर व्यक्ति प्रण करे कि वो सतयुग लायेगें तो परमात्मा की शक्ति हरपल उनके साथ है, हम सबके अन्दर इतनी क्षमता है कि हम स्वयं एवं दूसरों की बुराइयों को भी खत्म कर सकते है, इसके लिए हमारी सोच सिर्फ देने और देने के लिए ही होनी चाहिए और उसी से ही सच्चा सुख प्राप्त हो सकता है।

ब्रह्मा कुमारी संस्था के मुख्य प्रवक्ता बी0के0 ब्रजमोहन जी ने कहा कि मानसिक स्वच्छता से ही बाहरी स्वच्छता आयेगी। मानसिक स्वच्छता का आधार है आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग का नियमित अभ्यास जिससे भारत विश्व गुरू बन सकता है।

संस्था की संयुक्त प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि जब हमारे अन्दर दिव्य गुण जागृत हो जायेगे, सर्व के प्रति शुभ चिन्तन, व्यवहार में प्रेम, शुद्धता, सत्यता, मधुरता, पवित्रता आ जायेगी तब यही भारत स्वर्ग बन जायेगा।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी हृदयमोहिनी जी ने अपने संदेश में कहा कि हम सब जाति, धर्म, भाषा की भिन्नता के बावजूद एक परमपिता परमात्मा की सन्तान हैं, तब यह विश्व एक परिवार बन जायेगा और विश्व बन्धुत्व की भावना साकार हो जायेगी।

इस अवसर पर **बी0जे0पी0 सांसद एवं अभिनेता मनोज तिवारी, अमेटी विश्वविधालय के अध्यक्ष डॉ0 सल्वामूर्ति, योगगुरू एच0आर0नागेन्द्र, स्वामी चिदानन्द सरस्वती** आदि गणमान्य एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने माउण्ट आबू से पधारी ब्रह्मा कुमारी की मुख्य दादियों का सम्मान किया।

भारत के विभिन्न राज्यों से आये हुए ब्रह्मा कुमारी संस्था के क्षेत्रीय संचालिकाओं ने उपस्थित जन समूह को सामूहिक राजयोग का अभ्यास कराया तथा गहन शान्ति और आन्तरिक शक्तियों की अनुभूति करायी।

ब्र. कु. सुशांत,
राष्ट्रीय मीडिया संयोजक, ब्रह्मा कुमारीज संस्था
मोबाईल 9350922333, 7014986288